

**पुष्पकाल** पुं. (तत्.) 1. वसंत ऋतु 2. स्त्रियों का ऋतु-काल।

**पुष्पकीट** पुं. (तत्.) भ्रमर, भौंरा।

**पुष्पकृच्छ** पुं. (तत्.) एक व्रत जिसमें कुछ फूलों का काढ़ा महीने भर पिया जाता है।

**पुष्पकेतन/पुष्पकेतु** पुं. (तत्.) कामदेव, मन्मथ, मदन।

**पुष्पक्रम** पुं. (तत्.) 1. फूलों का गुच्छा, पुष्पगुच्छ 2. पुष्पाक्ष पर फूलों का विन्यास।

**पुष्पगंधा** स्त्री. (तत्.) जूही।

**पुष्पगुच्छ** पुं. (तत्.) फूलों का गुच्छा।

**पुष्पग्रथन** पुं. (तत्.) माला गूँथने का कार्य/भाव।

**पुष्पचाप** पुं. (तत्.) कामदेव, मन्मथ।

**पुष्पण** वि. (तत्.) फूल से उत्पन्न होने वाला पुं. फूल का रस, मकरंद।

**पुष्पजीवी** पुं. (तत्.) माली।

**पुष्पद** पुं. वि. (तत्.) 1. फूल प्रदान करने वाला वृक्ष, फूलों को उत्पन्न करने वाली टहनियाँ/शाखाएँ 2. फूलों के स्थान पर नए फूलों को जन्म देनेवाले फूल।

**पुष्पद्रव** पुं. (तत्.) फूल का रस, मकरंद।

**पुष्पद्रुम** पुं. (तत्.) पुष्पप्रधान वृक्ष।

**पुष्पधनु** पुं. (तत्.) कामदेव, मन्मथ, मदन।

**पुष्पधन्वा/पुष्पध्वज** पुं. (तत्.) कामदेव, मन्मथ, मदन।

**पुष्पनिभ** वि. (तत्.) फूल के समान या अनुरूप।

**पुष्पपत्र** पुं. (तत्.) फूल की पंखुड़ी, पुष्पदल।

**पुष्पपुर** पुं. (तत्.) वर्तमान पटना शहर का एक प्राचीन नाम, कुसुमपुर।

**पुष्प-प्रचय** पुं. (तत्.) हाथ से फूल चुनना/तोड़ना।

**पुष्पभरणा** वि. (तत्.) फूलों से तैयार किए गए अलंकारों को धारण करने वाली स्त्री।

**पुष्पभव** पुं. (तत्.) फूल का रस, मकरंद।

**पुष्पभाजन** पुं. (तत्.) चुने/तोड़े गए फूलों को रखने का पात्र/टोकरी।

**पुष्पभीति** स्त्री. (तत्.) मनो. एक रोग जिसमें रोगी फूलों से डरता है, पुष्पातंक।

**पुष्पभूषित** वि. (तत्.) फूलों से सजाया हुआ।

**पुष्पमंजरी** स्त्री. (तत्.) फूल की मंजरी।

**पुष्पमाला** स्त्री. (तत्.) फूलों की माला, पुष्पहार छंद एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः 2. नगण, 2 रगण और गुरु के योग से 13 वर्ण होते हैं तथा 9-4 पर यति होती है।

**पुष्पमास** पुं. (तत्.) 1. चैत्र का महीना 2. ऋतु।

**पुष्परज** स्त्री. (तत्.) पराग।

**पुष्परस** पुं. (तत्.) फूल का रस, मकरंद।

**पुष्पदास** पुं. (तत्.) फूलों का खिलना, मदन।

**पुष्पराग/पुष्पराज** पुं. (तत्.) पुखराज नामक रत्न।

**पुष्परूपी** वि. (तत्.) वन. पौधों के वे अंग जो आकार-प्रकार में फूल जैसे होते हैं।

**पुष्परेणु** पुं. (तत्.) 1. पराग, फूलों के रज-कण 2. फूलों आदि से तैयार मुख पर लगाने का अंगराग/प्रसाधन।

**पुष्पलाव** पुं. (तत्.) माली।

**पुष्पलिपि** स्त्री. (तत्.) एक प्राचीन लिपि।

**पुष्पवती** स्त्री. (तत्.) रजस्वला/ऋतुमती स्त्री।

**पुष्पवर्षण** पुं. (तत्.) फूलों/पुष्पों की वर्षा।

**पुष्पवर्षा** स्त्री. (तत्.) फूलों/पुष्प की वर्षा।

**पुष्पवाण** पुं. (तत्.) कामदेव, मदन, मन्मथ।

**पुष्पवाटिका** स्त्री. (तत्.) वह छोटा बाग/बगीचा जिसमें अनेक फूलों के पेड़-पौधे हों।

**पुष्पविज्ञान** पुं. (तत्.) फूलों/पुष्पों की खेती संबंधी अध्ययन, पुष्प कृषि संबंधी विद्या।

**पुष्पवृंत** पुं. (तत्.) फूल की टहनी, फूल का डंठल।

**पुष्पवृष्टि** स्त्री. (तत्.) फूलों की वर्षा, फूलों की बौछार, पुष्पवर्षा।